

No. 28HA/63-F/1957.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that the land is likely to be required to be taken by Government, at public expense, for a public purpose, namely, Constructing a link road from Tehana-Ratia to Dhani Bilaspur in Hissar District.

It is hereby notified that the land in locality, described below is likely to be acquired for the above purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor of Haryana is pleased to authorise the officers for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen, to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section.

Any person interested who has any objection to the acquisition of any land in the locality, may within 30 days of the publication of this notification, file an objection in writing before the Land Acquisition Collector, Haryana, P. W. D., B. & R. Branch, Bhiwani or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Hissar

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/Village	Area in Acres	Rectangle
		Hadbast No.		Khasra No.
Sirsar	Ratia	Teliwara	RD 0 to 682	71
		156		23, 24
		$\frac{682 \times 40}{9 \times 4840} = 0.63$		3, 4, 7, 8, 13
	Burj	Nithwana	RD 682 to 1817	53
		161	$\frac{1135 \times 40}{9 \times 4840} = 1.04$	13, 14, 17, 18, 23, 24
				55
	Burj	RD 1817 to 2066		3, 4, 7, 8, 13, 14, 19, 22, 18
		146	$\frac{249 \times 40}{9 \times 4840} = 0.23$	6
			Total. 1.90	7, 13, 14, 18, 22, 23

The 25th July, 1987

No. 28HA/63-F/1949.—Whereas the Governor of Haryana is satisfied that land specified below needed by the Government, at public expense for public purpose, namely, construction of proposed P.W.D. Rest House at Ratia tehsil Ratia, district Hissar, it is hereby declared that the land described in the specification below, is required for the aforesaid purposes.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act 1894, to all whom it may concern and under the provisions of section 7 of the said Act, the Land Acquisition Collector, Haryana P. W. D., B & R Branch, Bhiwani or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Hissar is hereby directed to take order for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the offices of the Land Acquisition Collector, Haryana P. W. D., B. & R. Branch Bhiwani or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Hissar or Executive Engineer Provincial Division, Fatahbad.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/Village		Area in Acres	Rectangle
		Hadbast No.			Khasra No.
Hissar	Ratia	Ratia 162	RD 0 to 300 300×400	2.76	345
			9×4840		14, 15, 16, 17

(Sd.) . . .

Superintending Engineer,
Hisar Circle, Hisar.

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 7 अगस्त, 1987

सं० ओ० वि०/अम्बाला/87-85/31345.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि सचिव, पंजाब बकप बोर्ड, अम्बाला छावनी के श्रमिक श्री कांशी राम वर्मा, पुत्र श्री उद्यम राम, मकान नं० 798, प्रेम नगर, सिविल लाईन, लुधियाना (पंजाब) तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 3 (44)84-3 श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री कांशी राम शर्मा की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/अम्बाला/100-86/31357.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि सचिव, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड, चण्डीगढ़ (2) कार्यकारी अभियन्ता, ओ० पी० डिविजन, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड, शाहबाद मारकण्डा, श्रमिक श्री सतपाल, पुत्र श्री मोती राम, गांव रावा, तहसील थानेसर, जिला कुरुक्षेत्र तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 3 (44)84-3 श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री सतपाल, की सेवा समाप्ति/छंटनी न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?